



## हवामानावर आधारीत कृषि सल्ला (रायगड जिल्हा)

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डॉ. बाळासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली आणि भारत मौसम विभाग यांच्या संयुक्त विद्यमाने)



फोन नं.: (०२३५८) २८२३८८

ई-मेल: dpl.amfu@gmail.com

अंक ३७/२०२१

दिनांक ०७/०५/२०२१

कालावधी ५ दिवस

डॉ. प्रशांत बोडके,  
विभाग प्रमुख,  
कृषिविद्या विभाग  
९४२०४१३२५५

डॉ. विजय मोरे,  
नोडल ऑफिसर,  
कृषिविद्या विभाग  
९४२२३७४००१

डॉ. शितल यादव,  
तांत्रिक अधिकारी  
कृषिविद्या विभाग  
८३७९९०११६०

| मागील हवामान आठवडा सारांश<br>(दिनांक ०१/०५/२०२१ ते ०७/०५/२०२१)    |       |       |       |       |       |       | हवामानाचे घटक                       | हवामान पूर्वानुमान<br>(दिनांक ०८/०५/२०२१ सकाळी ८:३० पासून<br>१२/०५/२०२१ सकाळी ८:३० वाजेपर्यंत) |        |        |        |               |
|-------------------------------------------------------------------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------|--------|--------|--------|---------------|
| (स्रोत: कृषि हवामान वेधशाळा, प्रादेशिक कृषि संशोधन केंद्र, कर्जत) |       |       |       |       |       |       |                                     | (स्रोत: प्रादेशिक हवामान केंद्र, मुंबई)                                                        |        |        |        |               |
| ०१/०५                                                             | ०२/०५ | ०३/०५ | ०४/०५ | ०५/०५ | ०६/०५ | ०७/०५ |                                     | ०८/०५                                                                                          | ०९/०५  | १०/०५  | ११/०५  | १२/०५         |
| -                                                                 | -     | -     | -     | -     | -     | -     | पाऊस (मिमी)                         | ५                                                                                              | ६      | ०      | ०      | ०             |
| -                                                                 | -     | -     | -     | -     | -     | -     | कमाल तापमान (अं.से)                 | ३५                                                                                             | ३४     | ३४     | ३३     | ३३            |
| -                                                                 | -     | -     | -     | -     | -     | -     | किमान तापमान (अं.से)                | २४                                                                                             | २३     | २३     | २३     | २३            |
| -                                                                 | -     | -     | -     | -     | -     | -     | मेघाच्छादन (ऑक्टा)                  | निरभ्र                                                                                         | निरभ्र | निरभ्र | निरभ्र | अंशतः<br>ढगाळ |
| -                                                                 | -     | -     | -     | -     | -     | -     | सकाळची सापेक्ष आर्द्रता             | ७०                                                                                             | ७३     | ७४     | ८१     | ८२            |
| -                                                                 | -     | -     | -     | -     | -     | -     | दुपारची सापेक्ष आर्द्रता            | ३३                                                                                             | ३३     | ३६     | ३९     | ४२            |
| -                                                                 | -     | -     | -     | -     | -     | -     | वाऱ्याचा वेग(किमी/तास)              | ४                                                                                              | ४      | ५      | ५      | ६             |
| -                                                                 | -     | -     | -     | -     | -     | -     | वाऱ्याची दिशा                       | नै.प.                                                                                          | नै.प.  | वा.    | वा.प.  | वा.प.         |
| पाऊस (मिमी) मागील आठवड्यातील                                      |       |       |       |       |       |       | पाऊस (मिमी) १/१/२०२१ पासून आजपर्यंत | पाऊस (मिमी) गेल्या वर्षीचा                                                                     |        |        |        |               |
| ०.०                                                               |       |       |       |       |       |       | ०.०                                 | ३०९०.६                                                                                         |        |        |        |               |

### हवामान सारांश /इशारा

|                        |                                                                                                                                                                                                                                                 |
|------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| हवामान अंदाज           | प्रादेशिक हवामान केंद्र, मुंबई यांच्याकडून प्राप्त झालेल्या हवामान अंदाजानुसार रायगड जिल्ह्यात दिनांक ८ ते ९ मे, २०२१ दरम्यान जिल्ह्यातील तुरळक ठिकाणी हलक्या पाऊसाची शक्यता असून कमाल व किमान तापमानात फारसा बदल संभवत नसून आकाश निरभ्र राहील. |
| इशारा                  | दिनांक ७ मे, २०२१ रोजी रायगड जिल्ह्यातील तुरळक ठिकाणी विजेच्या कडकडाट, मेघगर्जना आणि वाऱ्याच्या वेग अधिक राहून पाऊस पडण्याचा इशारा देण्यात आला आहे.                                                                                             |
| विस्तारित श्रेणी अंदाज | विस्तारित श्रेणी अंदाजानुसार (ईआरएफएस) कोंकण विभागात दिनांक १२ ते १८ मे, २०२१ दरम्यान पाऊस, कमाल आणि किमान तापमान हे सरासरी इतके राहण्याची शक्यता आहे.                                                                                          |

### हवामान अंदाजावर आधारीत कृषि सल्ला

| पिक           | अवस्था | कृषि सल्ला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
|---------------|--------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| सामान्य सल्ला | --     | <ul style="list-style-type: none"> <li>उष्णता वाढल्यामुळे काही कारणाने आंबा किंवा काजू बागां मध्ये वणवा लागण्याची शक्यता असते. वणव्यामध्ये सापडलेल्या आंबा, काजू बागेमधील झाडांना लगेचच पाणी देणे सुरु करणे आवश्यक असते त्यामुळे नवीन पालवी फुटेपर्यंत पाण्याचे योग्य नियोजन करावे. २५ ते ३० फुट उंच झाडांची उंची अर्ध्यापर्यंत कमी करावी तसेच इतर झाडांची उंची ८ फुटापर्यंत कमी करावी. त्यानंतर १ लिटर डांबराच्या द्रावणामध्ये ५ ग्रॅम बाविस्टीनची भुकटी मिसळून कापलेल्या फांद्यांच्या भागावर लावावे. खोडकीडीपासून संरक्षण करण्यासाठी क्लोरपायरीफॉस २० टक्के प्रवाही २० मि.ली. प्रती १० लिटर पाणी या प्रमाणात द्रावण तयार करून संपूर्ण झाड भिजवून घ्यावे. होरपलेल्या झाडांचे प्रखर सूर्यकिरणांपासून संरक्षण करण्यासाठी १ किलो चुना + १५० ग्रॅम मोरचूद या प्रमाणात द्रावण तयार करून झाडाला ब्रशच्या सहाय्याने लावावे.</li> </ul> |

|             |               |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|-------------|---------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| विशेष सल्ला | --            | <ul style="list-style-type: none"> <li>दिनांक ७ मे २०२१ दरम्यान जिल्ह्यातील तुरळक ठिकाणी विजेच्या कडकडाट आणि मेघगर्जनेसह, वाऱ्याच्या वेगासह पाऊसाची शक्यता वर्तवली असल्याने गाई, म्हैशी इ. जनावरे झाडाखाली न बांधता सुरक्षित ठिकाणी बांधावेत तसेच पक्व पिकांची आणि तयार फळांची काढणी करून सुरक्षित ठिकाणी साठवणूक करावी. नवीन लागवड केलेल्या फळझाडांना काठीचा आधार द्यावा.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| आंबा        | फळधारणा       | <ul style="list-style-type: none"> <li>दिनांक ८ ते ९ मे २०२१ दरम्यान तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाच्या पाऊसाची शक्यता वर्तवली असल्याने काढणीस तयार असलेल्या आंबा फळांची चौदा आणे (८० ते ८५ टक्के) पक्वतेला देठासह काढणी झेल्याच्या सहाय्याने सकाळी लवकर १० पर्यंत किंवा संध्याकाळी ४ नंतर पाऊसाचा अंदाज घेवून करावी. उष्णतेमुळे फळांचे तापमान वाढून साक्याचे प्रमाण वाढण्याची शक्यता असते यासाठी फळांची काढणी तापमान कमी असताना करावी आणि लगेच सावलीमध्ये ठेवावी.</li> <li>देठकुजच्या आणि फळकूज ह्या काढणी पश्चात बुरशीजन्य रोगापासून आंबा फळांचे संरक्षण करण्यासाठी फळे काढणी नंतर लगेच ५२ अं.सें. तापमानाच्या पाण्यात १० मिनिटे बुडवून काढावीत व नंतर फळे वाळविण्यासाठी हवेशीर ठिकाणी ठेवावी. त्यानंतर प्रतवारी करून फळे पिकविण्यासाठी आढीत घालावीत. वाहतूक करण्यासाठी फळांचा रंग बदलू लागल्यानंतर कोरोगोटेट फायबर बॉक्समध्ये फळे पकिंग करावीत. कच्च्या आंब्याची वाहतूक करावयाची असल्यास कोरोगोटेट फायबर बॉक्समध्ये पेंड्याचा वापर करावा तसेच आंबा फळांची वाहतूक रात्रीच्या वेळेस करावी.</li> <li>आंबा फळांवर फळमाशीचा प्रादुर्भाव दिसून येण्याची शक्यता असल्याने बागेमधील गळलेली फळे गोळा करून नष्ट करावीत आणि आंबा फळांचे फळमाशी पासून संरक्षण करण्यासाठी विद्यापीठाने शिफारस केलेले "रक्षक फळमाशी सापळा" प्रती एकरी २ या प्रमाणात बागेमध्ये झाडांच्या उंचीप्रमाणे साधारण जमिनीपासून २ ते ३ मीटर उंचीवर राहिल अशा प्रकारे टांगावा.</li> <li>दिनांक ८ ते ९ मे २०२१ दरम्यान तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाच्या पाऊसाची शक्यता वर्तवली असल्याने नवीन लागवड केलेल्या आंबा बागेस गरजेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.</li> </ul> |
| काजू        | वाढीची अवस्था | <ul style="list-style-type: none"> <li>काजू बागेतील रोगग्रस्त,वाळलेल्या फांद्या काढून बागेत स्वच्छता ठेवावी. फांद्या काढलेल्या भागावर बोर्डो पेस्ट लावावी.</li> <li>दिनांक ८ ते ९ मे २०२१ दरम्यान तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाच्या पाऊसाची शक्यता वर्तवली असल्याने नवीन लागवड केलेल्या काजू बागेस गरजेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| नारळ        | फळधारणा       | <ul style="list-style-type: none"> <li>दिनांक ८ ते ९ मे २०२१ दरम्यान तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाच्या पाऊसाची शक्यता वर्तवली असल्याने नारळ बागेस गरजेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| सुपारी      | फळधारणा       | <ul style="list-style-type: none"> <li>दिनांक ८ ते ९ मे २०२१ दरम्यान तुरळक ठिकाणी हलक्या स्वरूपाच्या पाऊसाची शक्यता वर्तवली असल्याने सुपारी बागेस गरजेनुसार पाणी व्यवस्थापन करावे.</li> <li>सुपारीमध्ये पाऊसाळ्याच्या कालावधीमध्ये आर्द्रतेमुळे कोळेरोग या बुरशीजन्य रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येतो. या बुरशीचा प्रादुर्भाव फळांच्या देठावर होत असल्याने फळांची मोठ्या प्रमाणात गळ होते. कोळेरोग ह्या बुरशीजन्य रोगाच्या व्यवस्थापनासाठी पावसाळा सुरु होण्यापूर्वी झाडावरील रोगट शिंपुटे, वाळलेल्या झावळ्या गोळा करून नष्ट करावेत व पानांचा बेचक्यात १ टक्का बोर्डोमिश्रणाची फवारणी पाऊसाची उघडीप पाहून करावी. त्यानंतर एका महिन्याच्या अंतराने ३ ते ४ फवारण्या कराव्यात.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| उन्हाळी भात | पक्वता        | <ul style="list-style-type: none"> <li>दिनांक ८ ते ९ मे २०२१ दरम्यान अतिशय हलक्या पाऊसाची शक्यता असल्याने पक्व झालेल्या हळवे भाताची कापणी सकाळच्या वेळेस जमिनीलगत करावी. कापणी केलेल्या भाताची लगेच मळणी करून धान्य कोरड्या आणि सुरक्षित ठिकाणी वाळविण्यासाठी पसरून ठेवावे.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |                    |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p><b>खरीप भात</b></p>                                                                                                                                                                                                                                                                               | <p>पूर्व मशागत</p> | <ul style="list-style-type: none"> <li>• खरीप भात लागवडीसाठी आपल्या आवश्यकतेनुसार भात बियाण्याची उपलब्धता करून घ्यावी.</li> <li>• डॉ. बाळासाहेब सावंत कोंकण कृषी विद्यापीठाने हळव्या जाती रत्नागिरी-१, कर्जत-३ जाड दाण्यांसाठी, रत्नागिरी-५, रत्नागिरी-२४, फोंडाघाट-१, कर्जत-७, संकरित सहयाद्री-२ आणि सहयाद्री-४ बारीक दाण्यांसाठी, कर्जत-४ अतिशय बारीक दाण्यासाठी, निम गरव्या जाती रत्नागिरी-७, कर्जत-५ दाण्यांसाठी, रत्नागिरी-४, रत्नागिरी-६, पालघर-१, पालघर-२, कर्जत-६, कर्जत-९ तसेच सहयाद्री, सहयाद्री-३, बारीक दाण्यांसाठी आणि गरव्या जाती रत्नागिरी-२, रत्नागिरी-३, जाड दाण्यांसाठी, कर्जत-२, कर्जत-८, कर्जत-१० तसेच सहयाद्री-५ संकरीत भात बारीक दाण्यांसाठी, खार जमिनीसाठी पनवेल-१, पनवेल-२ व पनवेल-३ क्षार प्रतिकारक भात जाती कोंकण विभागात खरीप लागवडीसाठी शिफारसीत केल्या आहेत.</li> </ul> |
| <p><b>भाजीपाला</b></p>                                                                                                                                                                                                                                                                               | <p>रोपवाटिका</p>   | <ul style="list-style-type: none"> <li>• पाण्याची उपलब्धता असल्यास खरीप हंगामासाठी वांगी, मिरची, टोमेटो आणि इतर भाजीपाला पिकाची रोपे तयार करण्याकरिता रोपवाटिकेची कामे सुरु करावीत. जमिनीची नांगरणी करून ३ मी. लांब x १ मी. रुंद x १५ से.मी. उंचीचे गादीवाफे तयार करावे. वांगी, मिरची, टोमेटो पिकांवर मर रोगाचा प्रादुर्भाव दिसून येतो यासाठी रोग प्रतिकारक जातींची निवड करावी. सातत्याने मर रोग येणाऱ्या शेतामध्ये फेरपालट करावी तसेच तीन वर्षांपर्यंत वांगी कुळातील पिके एकाच शेतात लावू नयेत.</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
| <p>सदर कृषि सल्ला पत्रिका डॉ. बाळासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली येथील ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजनेतील तज्ञ समितीच्या शिफारशीनुसार तयार करून प्रसारित करण्यात आली.<br/>अधिक माहितीसाठी नजीकच्या कृषी विद्यापीठाचे केंद्र किंवा महाराष्ट्र शासनाचे कृषी अधिकारी यांच्याशी संपर्क करावा.</p> |                    |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |